विद्यालय विकास योजना

सत्रः — 2012—13

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (कन्या) विद्यालय
सुन्दरनगर जिला मंडी (हि.प्र.)

कला–संकाय

विज्ञान–संकाय

(आई.सी.टी. लैब)

विद्यालय विकास योजना

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (कन्या) विद्यालय, सुन्दरनगर, जिला–मंडी (हि.प्र.)

शिक्षा खण्डः– सुन्दरनगर–1

नगर परिषद वार्ड का नामः– सलाह

विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों की सूचि

क्र.स.	नाम	पद
1	श्री सी.एल. जोशी	प्रधान
2	श्री मुनि लाल भारद्वाज	सलाहकार
3	श्री शिव कुमार	सलाहकार
4	श्रीमति भारती शर्मा	सदस्य
5	श्रीमति कृष्णा देवी	सदस्य
6	सन्तोष कुमारी	सदस्य
7	सुनिता देवी	सदस्य
8	सत्या देवी	सदस्य
9	विमला देवी	सदस्य
10	अन्जना शर्मा	सदस्य
11	हिमा देवी	सदस्य
12	माया देवी	सदस्य
13	श्री संजीव कुमार	सदस्य
14	श्री हिम्मत राम	सदस्य
15	श्री राम लाल	सदस्य
16	श्री देवी सिंह भाटिया	सदस्य
17	श्री राम दास	सदस्य
18	श्री राजेन्द्र माधवी (प्रवक्ता)	प्रभारी सदस्य
19	श्री सुरेन्द्र कुमार (प्रवक्ता)	सदस्य
20	श्री दिनेश सिंह (स्नातक)	सदस्य
21	श्री प्रेम दास (कला अध्यापक)	सदस्य

वर्तमान समय में विद्यालय की उपलब्धियों का सफर

शिक्षा के क्षेत्र में औपचारिक शिक्षण संस्थानों का महत्वपूर्ण एवं विशेष स्थान है। अनुशासन, नियम एवं समय का सदुपयोग, भविष्य की नीव सुदृढ़ करते हैं। इसे दिशा एवं आयाम देने का कार्य विद्यालय करता है।

मानवीय सभ्यता के समरूप ही विद्यालयों का जन्म हुआ। इसलिए भारत की स्वाधीनता से भी पहले से यह विद्यालय समाज व राष्ट्र की सेवा करता आ रहा है। अनेक होनहार विद्यार्थी यहां से शिक्षा प्राप्त कर देश–विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवायें दे रहे हैं, जिनमें से कुछ लोग उच्च पदों पर आसीन होकर के विद्यालय के गरिमा को गौरवमयी बनाये हुए हैं।

राजस्व विभाग के रिकार्ड के अनुसार विद्यालय सन् 1935 से पहले का है। विद्यालय पहले भोजपुर बाजार में था इसे लोअर मिडल स्कूल के नाम से जाना जाता था। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद इस विद्यालय को वर्तमान स्थान पर स्थानान्तरित कर दिया गया।

सरकार द्वारा सन् 1959 में विद्यालय का दर्जा बढ़ा करके राजकीय उच्च (कन्या) पाठशाला का दे दिया गया।

सन् 1995 में विद्यालय को पदोन्नत करके वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (कन्या) सुन्दरनगर बना दिया गया।

विद्यालय में हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित अतिरिक्त विषयों का शिक्षण–प्रशिक्षण भी होता है।

वर्ष 2001 से यहां पर सूचना–प्रौद्योगिकी केन्द्र कार्यरत है जिसमें 9वी. से 12वी. तक की लड़कियां लाभान्वित हो रही है।

जिला–स्तरीय अध्यापक प्रशिक्षण, बैंकिंग, कर्मचारी चयनबोर्ड तथा लोकसेवा आयोग की विभिन्न प्रकार की परिक्षाओं का केन्द्र भी इस विद्यालय को बनाया जाता है।

विद्यालय में पुस्तकालय है जिसमें लगभग 5000 अमूल्य पुस्तकों का संग्रहण है एवं इससे छात्राओं को पठ्न–पाठ्न के अलावा अन्य ज्ञानवर्धक जानकारी मिलती है।

विद्यालय में सभी महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन किया जाता है जैसे कि स्वतन्त्रता दिवस, बाल दिवस गणतन्त्र दिवस, शहीदी दिवस, वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आदि सभी विशेष दिवसों का आयोजन किया जाता है जिससे बच्चों को अपने मानसिक, बौद्धिक एवं शारीरिक विकास के लिए अधार मिलता है और बहुत सी छात्राओं ने आगे जाकर के समाज को नई दिशा दी है।

विद्याालय की छात्राओं के द्वारा खेल–कूद प्रतियोगिताओं में खण्डस्तर, जिलास्तर एवं राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया जाता रहा है।

विद्याालय में छात्राओं से संबन्धित इकाईयां

वर्तमान में इस विद्यालय में एन.एस.एस. की इकाई स्थापित की गई है और इसकी लगभग 160 छात्राएं सदस्य हैं जो समाज सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेती हैं।

इको कलबः– पर्यावरण स्वच्छता के लिये पौधे लगाना, पोलीथीन का प्रयोग न करना, विज्ञान सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध करवाने में इसका अपना योगदान है।

एन.सी.सी.:– की इकाई विद्यालय में पिछले कई सालों से चल रही है।

स्काउट एण्ड गाईडिंगः– सरकार के आदेशानुसार विद्यालयों में अनुशासन एवं गुणवत्ता लाने हेतू स्काउट एंड गाईडिंग को अनिवार्य बनाया गया है।

राज्य मुक्त विद्यालय (एस.ओ.एस.)

विद्यालय में 23.09.2011 से राज्य मुक्त विद्यालय की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में कोई भी विद्यार्थी (एस.ओ.एस.) के जरिये अपनी दसवीं और 12वीं कक्षाओं की प्राइवेट पेपर देकर अपनी शिक्षा विद्यालय स्तर की पूर्ण कर सकता है। प्रधानाचार्य जी (एस.ओ.एस.) के समन्वयक का अतिरिक्त कार्यभार देख रहें हैं। तथा श्री हेम सिंह (प्रवक्ता–राजनितिक शास्त्र) सहायक समन्वयक के रूप में कार्य कर रहें हैं। पिछले वर्ष की अपेक्षा चलित शैक्षणिक सत्र में (एस.ओ.एस.) में छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है।

विद्यालय में शिक्षाके स्तर की गुणवत्ता को बनाए रखने एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के साथ स्वच्छ एवं मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रधानाचार्य एवं विद्यालय के समस्त अध्यापक/प्राध्यापक गण और पाठशाला प्रबन्धन समिति आपसी तालमेल के साथ कड़ी मेहनत कर रहे है ताकि विद्यालय से पढ़ कर निकलने वाली छात्राएं अपने भविष्य को संवार सकें।

वर्ष 2012–13 में छात्राओं की नामांकन संख्या

कक्षा	कुल नांमाकित संख्या	सामान्य	अ. जाति	अ.ज. जाति	अन्य / ओ.बी. सी.	आई. आर. डी.पी.	अल्प संख्यक
छठी	38	15	19	...	01	16	03
सातवीं	39	22	15	...	01	17	01
आठवीं	32	13	16	02	...	09	01
नवीं (ए)	39	15	16	03	04	15	01
नवीं (बी)	37	18	17	...	01	05	01
दसवीं (ए)	36	23	11	...	...	20	02
दसवीं (बी)	37	21	14	...	...	09	02
कुल छात्राएं	256						
10+1							
कला	76	45	28	02	...	21	01
वणिज्य	54	38	16	...	...	14	...
मेडिकल	47	28	14	01	02	08	02
नॉनमेडिकल	48	36	09	01	02	07	...
कुल–छात्राएं	225						
10+2							
कला	85	45	32	02	05	26	01
वणिज्य	43	35	06	01	01	07	...
मेडिकल	41	26	10	...	02	03	...
नॉनमेडिकल	35	22	05	...	03	05	...
कुल–छात्राएं	204						

आधारभूत संरचनाओं की भौतिक आवश्यकताएँ

वर्ष 2012–13:–

1. **छात्रा शौचालय:–** वर्तमान में शौचालय छात्राओं की संख्या के अनुसार अपर्याप्त मात्रा में है। इस समस्या के निदान हेतू 10 नये शौचालयों का वर्तमान शैक्षणिक सत्र में निर्माण करवाने का निर्णय लिया गया है।
2. **स्टाफ शौचालय:–** काफी पुराने समय का बना है जो अब जीर्ण अवस्था में पहुँच चुका है के स्थान पर नये शौचालय का निर्माण करवाने का निर्णय लिया है।
3. **खेल मैदान:–** वर्तमान खेल के मैदान के विस्तार के लिए मैदान के साथ वाली खाली पड़ी उबड़–खाबड़ भूमि को समतल करवाने का इस वर्ष निर्णय लिया है ताकि हर प्रकार की खेल गतिविधियों के लिए खेल का मैदान पर्याप्त हो सके ।
4. **विद्यालय की चारदिवारी:–** वर्तमान में विद्यालय की अपनी सुरक्षा हेतू चारदिवारी बनी है परन्तु यह पूरी नहीं है। जिसको इस वर्ष पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ताकि छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और बाहरी तत्व एवं जानवर स्कूल में प्रवेश न कर सके।
5. खेलकूद प्रतियोगिता वर्ष 2012–13 के लिए विद्यालय में शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा है ताकि खेल प्रतियोगिताएं सही से हो सके।

वर्ष 2013–14

1. **प्रशासनिक खण्ड:–** विद्यालय के प्रशासनिक कार्य के सही क्रियान्वयन के लिए इसका नव निर्माण करवाना तय किया है।
2. **परीक्षा हाल:–** परिक्षाओं की सही व्यवस्था करवाने हेतू आगामी वित्तिय वर्ष में परीक्षा हाल का निर्माण करवाना तय किया है।
3.

वर्ष 2014–15

अध्यापक/प्राध्यापक आवास:– अध्यापक/प्राध्यापक आवास का निम्रण आवष्यक समझते हुए पाठषाला के साथ खाली पड़ी भूमि पर बनवाने का विचार रखा गया है।

आधारभूत संरचनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुमानित बजट

क्र.स.	विवरण	अनुमानित राशि (रूपयों में)
1	छात्रा शौचालय	4 लाख
2	स्टाफ शौचालय	4 लाख
3	खेल का मैदान	3 लाख
4	चार दिवारी	5 लाख
5	प्रशासनिक खण्ड	20 लाख
6	परीक्षा हाल	20 लाख
7	अध्यापक / प्राध्यापक आवास	50 लाख
	कुल =	107 लाख

विद्यालय में वर्तमान में समान की कक्षावार सूचिः–

वर्ष 2012–13 के लिए

कक्ष	कुर्सियां	डेस्क	ट्यूब	पंखें	बल्ब	स्विच	श्याम–पट्ट
छठी	...	6	...	....	...	...	...
सातवीं	...	...	2	1	...	...	...
आठवीं	...	....	3	....	...	...	1
नवीं(ए)	1	...	1	...	...	...	...
नवीं (बी)	...	...	1	...	...	...	...
दसवीं (ए)	...	...	...	...	...	...	...
दसवीं (बी)	...	...	...	...	...	...	...
रसायन विज्ञान विभाग (10+1, 10+2)							
	...	...	4	...	...	3	1
भौतिक विज्ञान विभाग (10+1, 10+2)							
	...	...	...	1	...	...	...
जीव विज्ञान विभाग विभाग (10+1, 10+2)							
	2	...	...	...	...	...	...
कम्प्यूटर प्रयोगशाला							
	1	...	1	...	...	...	...
कॉमन रूम							
	...	...	...	...	1	...	1
इकोनोमिक्स रूम							
	...	...	3	...	1	2	1
10+2 हिस्ट्री रूम							
	...	...	...	2	1	1	1
10+1 हॉल							
	...	...	4	...	4	1	...
10+2 हिन्दी रूम							
	...	...	...	...	4	...	1

विद्यालय की अतिरिक्त वित्तीय आवश्यकताएँ

वर्ष 2012–13, 2013–14 और 2014–15 के लिए अनुमानित लागत तैयार कर ली गई है।

निष्कर्षः– उपरोक्त योजनाओं हेतू संसाधन का स्त्रोत विद्यालय विकास योजना ही है। वर्ष 2013–14 व 2014–15 की योजनाओं हेतू विभाग व हिमाचल सरकार का सहयोग लिया जाएगा। ताकि यह विद्यालय अपने आप में एक सम्पूर्ण विद्यालय बन सके।

विद्यालय की अतिरिक्त वित्तीय आवश्यकताएँ

वर्ष 2012–13, 2013–14 और 2014–15 के लिए अनुमानित लागत तैयार कर ली गई है।

निष्कर्षः– उपरोक्त योजनाओं हेतू संसाधन का स्त्रोत विद्यालय विकास योजना ही है। वर्ष 2013–14 व 2014–15 की योजनाओं हेतू विभाग व हिमाचल सरकार का सहयोग लिया जाएगा। ताकि यह विद्यालय अपने आप में एक सम्पूर्ण विद्यालय बन सके।